YEAR-1990

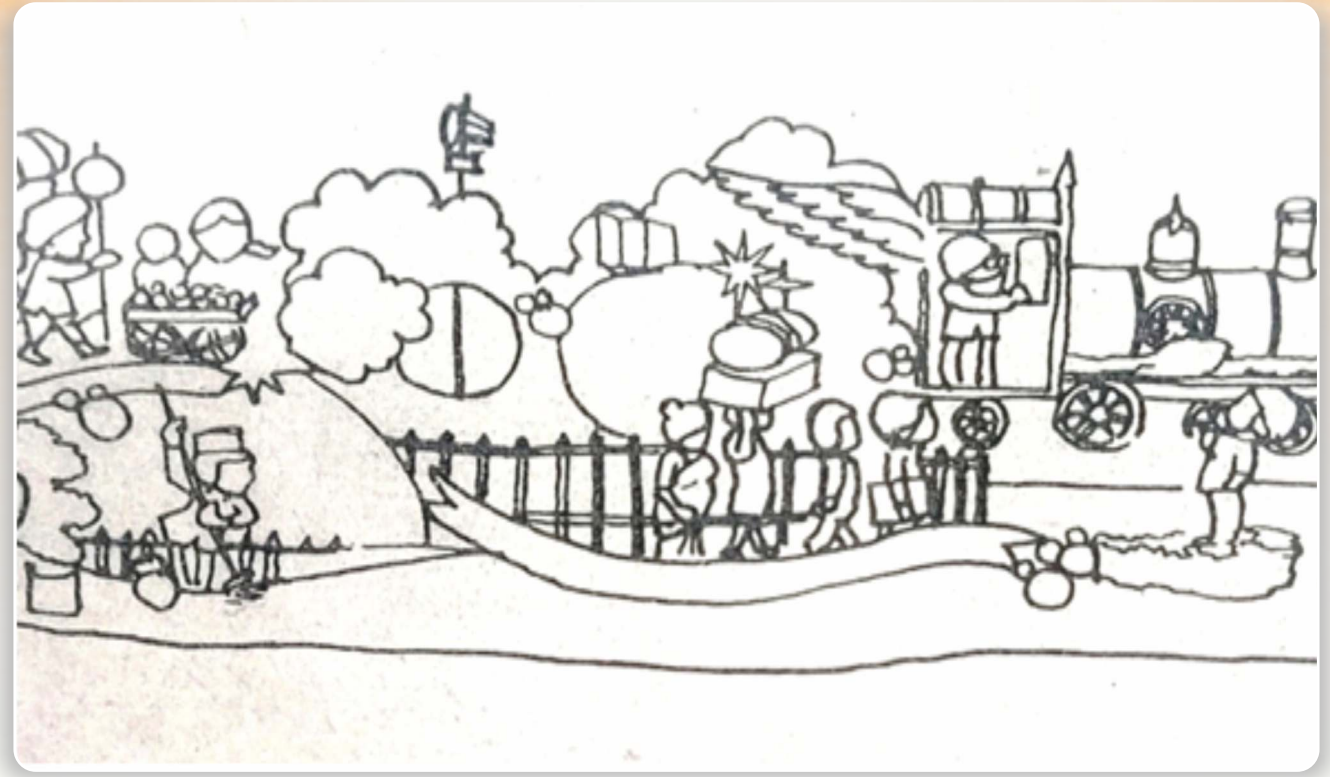

भारतीय रेल–जनता की सेवा में

इस झांकी में बच्चों को स्टेशन मास्टर, इंजन ड्राइवर और गार्ड बनाकर एक काल्पनिक दृश्य प्रस्तुत किया गया है। इसमें एक रेलवे स्टेशन का दृश्य है जिसमें भाप, धुआं, इंजन चलने की आवाज और यात्रियों के बीच होती धक्का–मुक्की को प्रभावी ढंग से दर्शाता गया है।

इस झांकी में हनुमान जी की मूर्ति इस बात का प्रतीक है कि भारतीय रेल ने हाल ही में कर्नाटक में स्थित पेनाम्बर से हनुमान जी की विशाल व भारी मूर्ति नई दिल्ली लाने में सफलता प्राप्त की है।

RAILWAYS AT THE SERVICE OF THE MASSES

The tableau presents a visual fantasy seen through the eyes of children in roles of station master, engine driver and guard. The hullabaloo of a railway station complete with steam and smoke, the hiss of engines and jostling passengers, is effectively recreated.

The statue of Hanuman on the tableau symbolises the Indian Railways feat in transporting a huge Hanuman statue from Number in Karnataka to New Delhi recently